Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 04 September 2024

Dainik Jagran
Page - 04, 06

बीए आनर्स की द्वितीय काउंसिलिंग सात को

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 के लिए बीए आनर्स प्रथम वर्ष में प्रवेश को द्वितीय काउंसिलिंग की तिथि विश्वविद्यालय प्रशासन ने निर्धारित कर दी है। यह काउंसिलिंग सात सितंबर को होगी। विश्वविद्यालय की ओर से द्वितीय काउंसिलिंग के लिए अनारक्षित वर्ग की कट आफ मेरिट भी जारी की गई है। अनारक्षित वर्ग में 68 या उससे अधिक अंक वाले अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया गया है। ओबीएस, एससी-एसटी व ईडब्लूएस के सभी अभ्यर्थियों को बुलाया गया है। प्रवेश सीट की उपलब्धता के आधार पर मेरिट से लिया जाएगा। काउंसिलिंग का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 तक निर्धारित किया गया है।

संकाय नेतृत्व शिखर सम्मेलन में जुटेंगे विज्ञान के विद्वान

गोरखपुर विश्वविद्यालय

- पांच-छह सितंबर को जैव प्रौद्योगिकी विभाग में आयोजित होगा सम्मेलन
- शोधकर्ताओं को विचारशील नेता बनाने व पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने पर होगा मंथन

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : अमेरिकन केमिकल सोसाइटी के सहयोग से दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ 'संकाय नेतृत्व शिखर सम्मेलन' का आयोजन करने जा रहा है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग में यह दो दिवसीय आयोजन पांच-छह सितंबर को होगा। युवा शोधकर्ताओं को विचारशील नेता बनाने और परिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए आयोजित इस सम्मेलन में विज्ञान के विद्वान हिस्सा लेंगे। यह विद्वान वैज्ञानिक नेतृत्व के महत्व को समझने, नवाचारों के लिए प्रभावी संचार बढ़ाने, अनुसंधान में सर्वोत्तम प्रथाओं-पांडुलिपि लेखन, साहित्यिक चोरी रोकने, अनुदान लेखन, अनुसंधान वित्त पोषण जैसे विषयों पर अपने विचार रखेंगे।

सम्मेलन में प्रतिभाग करने के लिए कुल 51 संकाय सदस्यों का चयन किया गया है, जिनमें 12 सदस्य नेपाल से हैं। इसमें वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, भौतिकी, गृह विज्ञान, इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग, कृषि व प्राकृतिक विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य शामिल हैं। इसके अलावा स्वामी देवानंद पीजी कालेज, मठ लार देवरिया, मदन मोहन मालवीय पीजी कालेज, भाटपार रानी, देवरिया और महात्मा गांधी पीजी कालेज गोरखपुर के शिक्षकों को भी शामिल किया गया है। नेपाल के प्रतिभागी लुंबिनी बौद्ध विवि, त्रिभुवन विवि और मधेश कृषि विवि से आमंत्रित किए गए हैं। कुलपति ने कार्यक्रम सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति बना दी है। अनुसंधान व विकास प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. दिनेश यादव को संयोजक बनाया गया है। इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक व जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख को सह संयोजक और अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ के निदेशक को आयोजन सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पत्रिका 'साहित्य विमर्श' का हुआ विमोचन

- गोवि के अंग्रेजी विभाग की ओर से प्रकाशित की जाती है पत्रिका
- विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों पर लिखी कविताएं हैं पत्रिका का हिस्सा

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की ओर से प्रकाशित पत्रिका 'साहित्य विमर्श' का मंगलवार को कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने विमोचन किया।

शिक्षक दिवस थीम पर आधारित पत्रिका में दीक्षा समारोह में आयोजित गतिविधियों को भी समाहित किया गया है। विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों पर लिखी गई कविताओं को भी पत्रिका का हिस्सा बनाया गया है।

विभागाध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ला ने बताया कि पत्रिका का संपादन छात्रा आयुषी राव, श्वेता उपाध्याय और छात्र सुधांशु राय व कुशाग्र मिश्रा ने किया है। उन्होंने कहा कि यह पत्रिका विद्यार्थियों को संपादन कौशल निखारने के लिए मंच प्रदान करती है। कुलपति ने विभाग और उसके विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि अंग्रेजी विभाग अन्य विभागों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

अंग्रेजी विभाग की पत्रिका 'साहित्य विमर्श' का विमोचन करतीं गोवि कुलपति प्रो. पूनम टंडन, साथ में विभागाध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ला व विद्यार्थी • सौ. गोवि

Amar Ujala
Page - 01,07

प्रो. राजवंत राव बने कला संकायाध्यक्ष

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्राचीन इतिहास के वरिष्ठ आचार्य डॉ. राजवंत राव को कला संकायाध्यक्ष बनाया गया है। प्रो. कीर्ति पांडेय के उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष बनने के कारण रिक्त हो रहे इस पद पर वरिष्ठता के चक्रानुक्रम में उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है। कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने इस संबंध में मंगलवार को आदेश जारी कर दिया। आदेश में कहा गया कि प्रो. कीर्ति पांडेय उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष बनने के कारण पांच सितंबर से असाधारण अवैतनिक अवकाश पर रहेंगी। प्रो. राजवंत बुधवार की शाम कार्यभार ग्रहण कर सकते हैं। संवाद

बीए के लिए द्वितीय काउंसिलिंग सात को

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 के लिए बीए ऑनर्स प्रथम वर्ष में प्रवेश को द्वितीय काउंसिलिंग की तिथि विश्वविद्यालय प्रशासन ने निर्धारित कर दी है। यह काउंसिलिंग सात सितंबर को होगी। विश्वविद्यालय की ओर से द्वितीय काउंसिलिंग के लिए अनारक्षित वर्ग की कट आफ मेरिट भी जारी की गई है। अनारक्षित वर्ग में 68 या उससे अधिक अंक वाले अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया गया है। ओबीएस, एससी-एसटी व ईडब्लूएस के सभी अभ्यर्थियों को बुलाया गया है। प्रवेश सीट की उपलब्धता के आधार पर मेरिट से लिया जाएगा। काउंसिलिंग का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 तक निर्धारित किया गया है। संवाद

संकाय नेतृत्व शिखर सम्मेलन में जुटेंगे विज्ञान के विद्वान

शोधकर्ताओं को विचारशील नेता बनाने और पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने पर होगा मंथन

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय अमेरिकन केमिकल सोसाइटी के सहयोग से 'संकाय नेतृत्व शिखर सम्मेलन' का आयोजन करने जा रहा है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग में यह दो दिवसीय आयोजन पांच-छह सितंबर को होगा। सम्मेलन में विज्ञान के कई विद्वान हिस्सा लेंगे।

सम्मेलन में प्रतिभाग करने के लिए कुल 51 संकाय सदस्यों का चयन किया गया है, जिनमें 12 सदस्य नेपाल से हैं। प्रतिभागियों को उनके एच-इंडेक्स, स्कोपस और वेब ऑफ साइंस में मुख्य या संबंधित लेखकों के रूप में प्रकाशनों और शोध परियोजनाओं के आधार पर चुना गया है। इसमें वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, रसायन विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, भौतिकी, गृह विज्ञान, इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग, कृषि व प्राकृतिक विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य शामिल हैं।

इसके अलावा स्वामी देवानंद पीजी कॉलेज मठ लार देवरिया, मदन मोहन मालवीय पीजी कॉलेज भाटपार रानी, देवरिया और महात्मा गांधी पीजी कॉलेज गोरखपुर के शिक्षकों को भी शामिल किया गया है।

पत्रिका का विमोचन करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन व अन्य। स्रोत-डीडीयू

साहित्य विमर्श के 11वें संस्करण का विमोचन

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की मासिक पत्रिका साहित्य विमर्श के 11वें संस्करण का विमोचन कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने मंगलवार को किया। यह विशेष संस्करण शिक्षक दिवस पर आधारित है और इसमें विभाग की ओर से दीक्षांत समारोह सप्ताह के अंतर्गत आयोजित की गई गतिविधियों को भी समाहित किया गया है। इस संस्करण के संपादक तीसरे सेमेस्टर के विद्यार्थी आयुषी राव, सुधांशु राय, श्वेता उपाध्याय और कुशाग्र मिश्रा हैं। इन छात्रों ने अपने संपादन कौशल से इस अंक को एक नया आयाम दिया है। संवाद

Hindustan
Page - 03,05

प्रो. राजवंत राव डीडीयू के कला संकाय अध्यक्ष बने

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्राचीन इतिहास के वरिष्ठ आचार्य राजवंत राव कला संकायाध्यक्ष बनाए गए हैं। प्रो. कीर्ति पाण्डेय के उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष बनने के कारण रिक्त हो रहे इस पद पर वरिष्ठता के चक्रानुक्रम में उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है।

कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने इस सम्बंध में मंगलवार को आदेश जारी कर दिया। आदेश में कहा गया है कि प्रो. कीर्ति पाण्डेय उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष बनने के कारण 5 सितंबर से असाधारण अवैतनिक अवकाश पर रहेंगी। प्रो. राजवंत बुधवार की शाम कार्यभार ग्रहण कर सकते हैं।

वर्ष 1989 में लेक्चरर के रूप में डीडीयू में नियुक्त हुए प्रो. राजवंत राव इससे पहले भी विश्वविद्यालय में कई अहम प्रशासनिक पदों पर रहे हैं। वे वर्तमान में 'अयोध्या अध्ययन केंद्र के निदेशक भी हैं। इससे पहले वे प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष के साथ ही मुख्य नियंता, चीफ प्रॉक्टर जैसे पदों पर रहे हैं। यूपीपीएससी के सदस्य के रूप में भी उन्होंने अपनी सेवाएं दी है।

प्रो. राव की तीन पुस्तकें हुई हैं प्रकाशित

प्रो. राजवंत राव की तीन पुस्तकें क्रमशः 'प्राचीन भारत में धर्म और राजनीति', 'गुप्तोत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास' और 'प्राचीन भारत की मुद्राएं' अब तक प्रकाशित हो चुकी हैं। इसके अलावा करीब आधा दर्जन पुस्तकें संपादित की है। दो दर्जन से अधिक रिसर्च पेपर विभिन्न जर्नल्स में प्रकाशित हुए हैं।

कई समितियों के हैं सदस्य

प्रो. राजवंत दर्जन भर अकादमिक समितियों के सदस्य हैं। इनमें इंडियन न्यूमेस्मेटिक सोसाइटी, भारतीय इतिहास संकलन समिति, इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस और द हिस्ट्री ऑफ कल्चर सोसाइटी प्रमुख हैं।

डीडीयू में बीए की रिक्त सीटों पर प्रवेश 7 को

गोरखपुर। डीडीयू में बीए में प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश के लिए काउंसलिंग 7 सितंबर को होगी। इसे लेकर मंगलवार को कटऑफ लिस्ट जारी कर दी गई। कला संकायाध्यक्ष प्रो. कीर्ति पाण्डेय ने बताया कि कला संकाय भवन स्थित इतिहास विभाग में इसकी काउंसलिंग होगी। सात को सुबह 10 से 12:30 बजे तक विभिन्न संवर्गों के अभ्यर्थियों का सीटों के सापेक्ष रिक्त सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा।

पीएचडी में प्रवेश के लिए मौखिक परीक्षा 9 को

गोरखपुर। डीडीयू में शोध पात्रता परीक्षा-2023 की लिखित परीक्षा के उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की मौखिक परीक्षा 9 से 13 सितंबर तक होगी। आरडीसी के प्रो. दिनेश यादव ने बताया कि कुल 34 विषयों में डीडीयू की 391 और कॉलेजों की फुलटाइम 413 सीटों के लिए मौखिक परीक्षा होगी।

विलंब शुल्क के साथ 10 तक करें पंजीकरण

गोरखपुर। डीडीयू एवं सम्बद्ध कॉलेजों के विभिन्न पाठ्यक्रमों के तृतीय, पंचम, सप्तम व नवम सेमेस्टर के जिन छात्र-छात्राओं ने अब तक प्रवेश एवं पंजीकरण शुल्क जमा नहीं किया है, ऐसे विद्यार्थी 10 सितंबर तक 500 रुपये विलंब शुल्क के साथ पंजीकरण करा सकते हैं।

Rashtriva Sahara Page - 07

प्रो.राजवंत राव बने कला संकायाध्यक्ष

गोरखपुर(एसएनबी)। दीदउ गोविवि में प्राचीन इतिहास विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो.राजवंत राव कला संकायाध्यक्ष बनाए गए हैं। प्रो. कीर्ति पाण्डेय के उप्र. शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष बनने के कारण रिक्त हो रहे इस पद पर वरिष्ठता के चक्रानुक्रम में उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है।

कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने इस सम्बंध में मंगलवार को आदेश जारी कर दिया। आदेश में कहा गया है कि प्रो. कीर्ति पाण्डेय उप्र. शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष बनने के कारण 5 सितंबर से असाधारण अवैतनिक अवकाश पर रहेंगी। प्रो. राव बुधवार की शाम कार्यभार ग्रहण कर सकते हैं। वर्ष 1989 में लेक्चरर के रूप में डीडीयू में नियुक्त हुए प्रो. राजवंत राव इससे पहले भी विवि में कई अहम प्रशासनिक पदों पर रहे हैं। वे वर्तमान में अयोध्या अध्ययन केंद्र के निदेशक भी हैं। इससे पहले वे प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष के साथ ही मुख्य नियंता, चीफ प्रॉक्टर जैसे पदों पर रहे हैं। यूपीपीएससी के सदस्य के रूप में भी उन्होंने अपनी सेवाएं दी है। **तीन पुस्तकें हुई हैं प्रकाशित** : प्रो. राव की तीन पुस्तकें'प्राचीन भारत में धर्म और राजनीति', 'गुप्तोत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास' और 'प्राचीन भारत की मुद्राएं' अब तक प्रकाशित हो चुकी हैं। इसके अलावा करीब आधा दर्जन पुस्तकें संपादित की है। दो दर्जन से अधिक रिसर्च पेपर विभिन्न जर्नल्स में प्रकाशित हुए हैं। **दर्जन भर अकादमिक समितियों के हैं सदस्य** :दर्जन भर अकादमिक समितियों के सदस्य भी हैं प्रो. राव। इनमें इंडियन न्यूमेस्मेटिक सोसाइटी, भारतीय इतिहास संकलन समिति, इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस और द हिस्ट्री ऑफ कल्चर सोसाइटी प्रमुख हैं।

- प्रो. कीर्ति पाण्डेय के बाद वरिष्ठता के चक्रानुक्रम में मिली जिम्मेदारी
- प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति विभाग में वरिष्ठ आचार्य हैं प्रो. राव
- यूपीपीएससी के रहे हैं सदस्य, संभाल चुके हैं कई दायित्व

51 संकायाध्यक्ष बढ़ाएंगे शोध की गुणवत्ता

गोरखपुर।
सहारा न्यूज ब्यूरो।

अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ, अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (एसीएस) के सहयोग से गोविवि. के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में 5 और 6 सितंबर 2024 को 'संकाय नेतृत्व शिखर सम्मेलन' का आयोजन होगा। इसमें भाग लेने के लिए 51 संकाय सदस्यों को चयनित किया गया है जिसमें 12 नेपाल से हैं।

दीदउ गोविवि में कुलपति प्रो. पूनम टंडन के नेतृत्व में 'संकाय नेतृत्व शिखर सम्मेलन' आयोजित होने जा रहा है। यह एक ऐसा कार्यक्रम है जिसे युवा शोधकर्ताओं (संकाय सदस्यों) को भारत में विचारशील नेता बनने और एक स्थायी एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए बनाया गया है। इसमें भाग लेने के लिए कुल 51 संकाय सदस्यों का चयन किया गया है, जिनमें से 12 नेपाल से हैं। प्रतिभागियों को उनके एच-इंडेक्स, स्कोपस और वेब ऑफ साइंस में मुख्य या संबंधित लेखकों के रूप में प्रकाशनों और प्रबंधित शोध परियोजनाओं के आधार पर चुना गया है। शिखर सम्मेलन में विभिन्न सत्र आयोजित होंगे, जिसमें वैज्ञानिक नेतृत्व के महत्व को समझने, नवाचारों में प्रभावी संचार, अनुसंधान में सर्वोत्तम पांडुलिपि लेखन, नैतिकता और साहित्यिक चोरी सहित नेटवर्किंग जैसे विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करेंगे। **समिट में इनकी होगी सहभागिता** : शिखर सम्मेलन में वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, रसायन विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, भौतिकी, गृह विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान और कृषि और प्राकृतिक विज्ञान संस्थान के संकाय सदस्य भाग लेंगे। इसके अलावा कई महाविद्यालयों के शिक्षक भी शामिल होंगे। नेपाल के प्रतिभागी लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, त्रिभुवन विश्वविद्यालय और माधेश कृषि विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हैं। संकाय नेतृत्व शिखर सम्मेलन का उद्देश्य प्रकाशनों की गुणवत्ता बढ़ाने और संकाय सदस्यों को उच्च गुणवत्ता वाली पत्रिकाओं में अपने शोध को प्रकाशित करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करने पर ध्यान केंद्रित करना है। विश्वविद्यालय से सम्मेलन के लिए आयोजन समिति में अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ के निदेशक (संयोजक), इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक (सह-संयोजक), जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख और अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के निदेशक (आयोजन सचिव) शामिल हैं।

फैकल्टी लीडरशिप समिट

- डीडीयू के जैव टेक्नोलॉजी विभाग में एसीएस के सहयोग से कार्यक्रम
- 5 से होगा शुभारंभ,नेपाल से 12 प्रतिभागी करेंगे शिरकत
- प्रकाशनों की गुणवत्ता बढ़ाने पर होगा मंथन

स्नातक की द्वितीय काउंसलिंग 7 को, प्रवेश मेरिट से

गोरखपुर(एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्नातक (कला) प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर 2024-25 में प्रवेश के लिए द्वितीय काउन्सलिंग 07 सितंबर 2024 को कला संकाय भवन के इतिहास विभाग में होगी। अभ्यर्थियों का रिक्त सीटों के सापेक्ष मेरिट सूची से वरीयता क्रम में बचे हुये विषयों में से प्रवेश होगा। यह जानकारी देते हुए प्रो. कीर्ति पाण्डेय, अधिष्ठाता कला संकाय ने बताया कि 07 सितंबर को पूर्वाह्न 10 से 12. 30 बजे तक अनारक्षित संवर्ग 68 अंक तक, अन्य पिछड़ा संवर्ग के समस्त,अनुसूचित जाति संवर्ग के समस्त तथा अनुसूचित जनजाति संवर्ग के समस्त अभ्यर्थी आयेंगे।

Amar Ujala Select
Page - 04

संकाय नेतृत्व शिखर सम्मेलन में जुटेंगे विज्ञान के विद्वान

शोधकर्ताओं को विचारशील नेता बनाने व पारिस्थितिकी को बढ़ावा देने पर होगा मंथन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय अमेरिकन केमिकल सोसाइटी के सहयोग से 'संकाय नेतृत्व शिखर सम्मेलन'का आयोजन करने जा रहा है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग में यह दो दिवसीय आयोजन पांच-छह सितंबर को होगा। सम्मेलन में विज्ञान के कई विद्वान हिस्सा लेंगे।

सम्मेलन में प्रतिभाग करने के लिए कुल 51 संकाय सदस्यों का चयन किया गया है, जिनमें 12 सदस्य नेपाल से हैं। प्रतिभागियों को उनके एच-इंडेक्स, स्कोपस और वेब ऑफ साइंस में मुख्य या संबंधित लेखकों के रूप में प्रकाशनों और शोध परियोजनाओं के आधार पर चुना गया है। इसमें वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, रसायन विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, भौतिकी, गृह विज्ञान, इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग, कृषि व प्राकृतिक विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य शामिल हैं। इसके अलावा स्वामी देवानंद पीजी कॉलेज मठ लार देवरिया, मदन मोहन मालवीय पीजी कॉलेज भाटपार रानी, देवरिया और महात्मा गांधी पीजी कॉलेज गोरखपुर के शिक्षकों को भी शामिल किया गया है। नेपाल के प्रतिभागी लुंबिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, त्रिभुवन विश्वविद्यालय और मधेश कृषि विश्वविद्यालय से आमंत्रित किए गए हैं। कुलपति ने इस कार्यक्रम सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति बना दी है।

अनुसंधान व विकास प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. दिनेश यादव को संयोजक बनाया गया है। इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक व जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख को सह संयोजक और अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ के निदेशक को आयोजन सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

Inext Page - 02

संकाय नेतृत्व शिखर सम्मेलन में जुटेंगे साइंस के स्पेशलिस्ट

GORAKHPUR (3 Sept): डीडीयू के रिसर्च व डेवलपमेंट सेल की ओर से अमेरिकन केमिकल सोसाइटी के सहयोग से गोरखपुर यूनिवर्सिटी में 'संकाय नेतृत्व शिखर सम्मेलन' आयोजित किया जाएगा. जैव प्रौद्योगिकी डिपार्टमेंट में दो दिनों तक पांच व छह सितंबर को कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. युवा रिसर्च स्कॉलर्स को विचारशील नेता बनाने और परिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए आयोजित इस सम्मेलन में साइंस के विद्वान हिस्सा लेंगे.

12 मेंबर नेपाल से

सम्मेलन में प्रतिभाग करने के लिए कुल 51 संकाय मेंबर्स का चयन किया गया है, जिनमें 12 सदस्य नेपाल से हैं. प्रतिभागियों को उनके एच-इंडेक्स, स्कोपस और वेब आफ साइंस में मुख्य या संबंधित लेखकों के रूप में प्रकाशनों और शोध प्रोजेक्ट्स के आधार पर चुना गया है. इसमें वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, रसायन विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, भौतिकी, गृह विज्ञान, इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग, कृषि व प्राकृतिक विज्ञान विभाग के फैकल्टी मेंबर शामिल हैं. इसके अलावा स्वामी देवानंद पीजी कालेज, मठ लार देवरिया, मदन मोहन मालवीय पीजी कालेज, भाटपार रानी, देवरिया और महात्मा गांधी पीजी कालेज गोरखपुर के टीचर्स को भी शामिल किया गया है. नेपाल के प्रतिभागी लुंबिनी बौद्ध यूनिवर्सिटी, त्रिभुवन यूनिवर्सिटी और मधेश कृषि यूनिवर्सिटी से आमंत्रित किए गए हैं. कुलपति ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आयोजन समिति बना दी है.

शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष का हुआ स्वागत

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी के अंग्रेजी विभाग में सोमवार को स्वागत समारोह का अयोजन कर प्रो. कीर्ति पांडेय को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष बनने पर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एचओडी अजय शुक्ला ने कहा कि हाल ही में प्रो. कीर्ति पांडेय को इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया गया है. जो शिक्षा क्षेत्र में उनके बीते वर्षों में समर्पण और उत्कृष्टता का प्रमाण है. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. कीर्ति पांडेय ने कहा कि यह मेरे लिए आत्मीयता और गौरव के क्षण है. मै इस पद पर रहते हुए अपने सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए प्रयासरत रहूंगी. वहीं, प्रो. आलोक कुमार ने भी अपने अनुभव साझा किए. कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षकों और विद्वानों ने प्रो. कीर्ति का सम्मान और अभिनंदन किया.

साहित्य विमर्श के 11वें अंक का किया विमोचन

डीडीयू के अंग्रेजी डिपार्टमेंट की ओर से प्रकाशित मासिक पत्रिका साहित्य विमर्श के 11वें संस्करण का विमोचन वीसी प्रो. पूनम टंडन ने सोमवार को एडी बिल्डिंग में किया. विशेष संस्करण शिक्षक दिवस पर आधारित इस अंक में दी यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह की गतिविधियों को भी शामिल किया गया है. इस संस्करण के संपादक तीसरे सेमेस्टर के स्टूडेंट्स आयुषी राव, सुधांशु राय, श्वेता उपाध्याय और कुशाग्र मिश्रा है. इन छात्रों ने अपने संपादन कौशल से इस अंक को एक नया आयाम दिया है. एचओडी प्रो. अजय शुक्ला ने बताया कि हमारे विभाग के छात्रों की ओर से संपादित की जाने वाली पत्रिका 'साहित्य विमर्श' न केवल उनके रचनात्मक विचारों को मंच प्रदान करती है, बल्कि उनके संपादन कौशल को भी निखारती है. मुझे गर्व है कि हमारे छात्र इस तरह की पहल कर रहे हैं और हर अंक में नए विचारों और विषयों के साथ सामने आ रहे हैं.

Nirbhik India Page - 03

फैकल्टी लीडरशिप समिट का 5 और 6 सितंबर 2024 को होगा आयोजन

माननीय कुलपति प्रो. पूनम टंडन के दूरदर्शी नेतृत्व में, अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ, अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (एसीएस) के सहयोग से जैव प्रौद्योगिकी विभाग में 5-6 सितंबर 2024 को "संकाय नेतृत्व शिखर सम्मेलन" का आयोजन कर रहा है।

गोरखपुर, संवाददाता- "संकाय नेतृत्व शिखर सम्मेलन" एक ऐसा कार्यक्रम है जिसे युवा शोधकर्ताओं (संकाय सदस्यों) को भारत में विचारशील नेता बनने और एक स्थायी एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए बनाया गया है। शिखर सम्मेलन में प्रमुख वक्ताओं और योग्य एसीएस कर्मचारियों के नेतृत्व में सत्र होंगे, जो वैज्ञानिक नेतृत्व के महत्व को समझने, नवाचारों को चलाने के लिए प्रभावी संचार, अनुसंधान में सर्वोत्तम प्रथाओं-पांडुलिपि लेखन, नैतिकता और साहित्यिक चोरी-प्रयोगात्मक अनुसंधान में सुरक्षा प्रथाओं, अनुदान लेखन, अनुसंधान वित्त पोषण, सलाह, सामुदायिक निर्माण और नेटवर्किंग जैसे विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करेंगे। भाग लेने के लिए कुल 51 संकाय सदस्यों का चयन किया गया है, जिनमें से 12 नेपाल से हैं। प्रतिभागियों को उनके एच-इंडेक्स, स्कोपस और वेब ऑफ साइंस में मुख्य या संबंधित लेखकों के रूप में प्रकाशनों और प्रबंधित शोध परियोजनाओं के आधार पर चुना गया था।

इस शिखर सम्मेलन में वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, रसायन विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, भौतिकी, गृह विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान और कृषि और प्राकृतिक विज्ञान संस्थान के संकाय सदस्य भाग लेंगे। इसके अलावा स्वामी देवानंद पीजी कॉलेज, मटलर देवरिया, मदन मोहन मालवीय पीजी कॉलेज, भाटपार रानी, देवरिया और महात्मा गांधी स्नातकोत्तर कॉलेज, गोरखपुर के शिक्षकों को भी शामिल किया गया है। नेपाल के प्रतिभागी लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, त्रिभुवन विश्वविद्यालय और माधेश कृषि विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसके साथ विश्वविद्यालय ने इस वर्ष की शुरुआत में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिससे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और मजबूत हुआ।

विश्वविद्यालय के शोध प्रोफाइल को बढ़ाने के अपने प्रयासों में, माननीय कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए संकाय सदस्यों और शोध विद्वानों के लिए एक उत्साहजनक वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। हाल ही में, उनके मार्गदर्शन में, विश्वविद्यालय की आईपीआर नीति को विश्वविद्यालय से वित्तीय और तकनीकी सहायता के प्रावधानों के साथ अधिक छात्र-और संकाय-केंद्रित होने के लिए संशोधित किया गया था। इसके कारण विश्वविद्यालय के नाम के तहत पेटेंट फाइलिंग में काफी वृद्धि हुई है। समझौता ज्ञापन पर संशैडो कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ हस्ताक्षर किए गए। लिमिटेड, नई दिल्ली ने विभिन्न प्रकार के आईपीआर को निकालने, दाखिल करने और निष्पादित करने में सहायता के लिए तीन महीने के भीतर 20 पेटेंट दाखिल किए हैं, जिनमें से 14 पहले ही प्रकाशित हो चुके हैं।

पेटेंट के अलावा, प्रकाशन और अनुसंधान परियोजनाएं भी विश्वविद्यालय के शोध प्रोफाइल के महत्वपूर्ण संकेतक हैं। "संकाय नेतृत्व शिखर सम्मेलन" का उद्देश्य प्रकाशनों की गुणवत्ता बढ़ाने और संकाय सदस्यों को उच्च गुणवत्ता वाली पत्रिकाओं में अपने शोध को प्रकाशित करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करने पर ध्यान केंद्रित करना है, जिससे समग्र उद्धरण बढ़ेंगे। विश्वविद्यालय से "संकाय नेतृत्व शिखर सम्मेलन" के लिए आयोजन समिति में अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ के निदेशक (संयोजक), इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक (सह-संयोजक), जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख और अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के निदेशक (आयोजन सचिव) शामिल हैं

अंग्रेंजी विभाग ऑन टाइम

शिक्षक दिवस की थीम पर प्रकाशित किया मासिक पत्रिका

गोरखपुर, संवाददाता- दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका "साहित्य विमर्श" के 11वें संस्करण का विमोचन विश्वविद्यालय की कुलपति, प्रोफेसर पूनम टंडन द्वारा किया गया। यह विशेष संस्करण शिक्षक दिवस पर आधारित है और इसमें विभाग द्वारा दीक्षांत समारोह सप्ताह के अंतर्गत आयोजित की गई गतिविधियों को भी समाहित किया गया है। इस अंक में छात्रों द्वारा शिक्षकों पर लिखी गई सुंदर कविताओं को विशेष रूप से सराहा गया है। विद्यार्थियों की इस अद्वितीय पहल को व्यापक प्रशंसा मिली है। उल्लेखनीय है कि अंग्रेजी विभाग यह पत्रिका प्रतिमाह प्रकाशित करता है, और यह इसका 11वां संस्करण है।

इस पत्रिका के प्रत्येक अंक का संपादन विभाग के छात्र स्वयं करते हैं। इस संस्करण के संपादक तीसरे सेमेस्टर के विद्यार्थी आयुषी राव, सुधांशु राय, श्वेता उपाध्याय और कुशाग्र मिश्रा हैं। इन छात्रों ने अपने संपादन कौशल से इस अंक को एक नया आयाम दिया है।

अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष, प्रोफेसर अजय कुमार शुक्ला ने इस अवसर पर कहा, हमारे विभाग के छात्रों ने 'साहित्य विमर्श' को लगातार नए आयाम दिए हैं।

यह पत्रिका न केवल उनके रचनात्मक विचारों को मंच प्रदान करती है, बल्कि उनके संपादन कौशल को भी निखारती है। मुझे गर्व है कि हमारे छात्र इस तरह की पहल कर रहे हैं और हर अंक में नए विचारों और विषयों के साथ सामने आ रहे हैं।

कुलपति महोदया ने छात्रों के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि "साहित्य विमर्श" जैसी पत्रिका विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के लिए भी एक प्रेरणा स्रोत है। ऐसे प्रयास विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए ज़रूरी होते

Khwaza

मासिक पत्रिका के 11वें संस्करण का कुलपति ने किया विमोचन

*शिक्षक दिवस की थीम पर आधारित है यह अंक

गोरखपुर । डीडीयू विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका साहित्य विमर्श के 11वें संस्करण का विमोचन विश्वविद्यालय की कुलपति,प्रोफेसर पूनम टंडन द्वारा किया गया। यह विशेष संस्करण शिक्षक दिवस पर आधारित है और इसमें विभाग द्वारा दीक्षांत समारोह सप्ताह के अंतर्गत आयोजित की गई गतिविधियों को भी समाहित किया गया है। अंक में छात्रों द्वारा शिक्षकों पर लिखी गई सुंदर कविताओं को विशेष रूप से सराहा गया है।विद्यार्थियों की इस अद्वितीय पहल को व्यापक प्रशंसा मिली है। इस पत्रिका के प्रत्येक अंक का संपादन विभाग के छात्र स्वयं करते हैं। संस्करण के संपादक तीसरे सेमेस्टर के विद्यार्थी आयुषी राव,सुधांशु राय,श्वेता उपाध्याय और कुशाग्र मिश्रा हैं। इन छात्रों ने अपने संपादन कौशल से इस अंक को एक नया आयाम दिया है। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष,प्रोफेसर अजय कुमार शुक्ला ने इस अवसर पर कहा, हमारे विभाग के छात्रों ने साहित्य विमर्श को लगातार नए आयाम दिए हैं। यह पत्रिका न केवल उनके रचनात्मक विचारों को मंच प्रदान करती है, बल्कि उनके संपादन कौशल को भी निखारती है।

शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने किया प्रो0 कीर्ति का सम्मान

– मेरे लिये ये आत्मीयता एवं गौरव के क्षण: प्रो0 कीर्ति पांडे

गोरखपुर । (ख्वाजा एक्सप्रेस संवाददाता) दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेज़ी विभाग ने मंगलवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर प्रो0 कीर्ति पांडेय को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष बनने पर सम्मानित किया। हाल ही में प्रो0कीर्ति पांडेय को इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया गया है,जो शिक्षा क्षेत्र में उनके वर्षों के समर्पण और उत्कृष्टता का प्रमाण है। इस अवसर पर विभाग के सभी शिक्षकों,शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने प्रो0कीर्ति का आत्मीय स्वागत किया। तृतीय सेमेस्टर की छात्रा अंजु ने उनके सम्मान में लिखी कविता की पंक्तियाँ, आप आज की नारी हो, इतिहास रचाने वाली हो,आप हमारा गौरव,अभिमान और कीर्ति बढ़ाने वाली हो,÷ ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ा दिया।विभागाध्यक्ष प्रो0अजय शुक्ला ने अपने वक्तव्य में कहा, यह हम सभी के लिए गर्व और सम्मान का विषय है कि प्रो0कीर्ति को इस प्रतिष्ठित पद पर नियुक्त किया गया है। प्रो0 कीर्ति पांडेय ने इस अवसर पर कहा,कि मेरे लिए ये आत्मीयता और गौरव के क्षण हैं। मैं इस पद पर रहते हुए अपने सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए प्रयासरत रहूँगी।कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षकों और विद्वानों ने प्रो0 कीर्ति का सम्मान और अभिनंदन किया।

Swatantra Chetna

गुणवत्ता पूर्ण अनुसंधान बढ़ाने की दिशा में वि.वि. गम्भीर

☐शिखर सम्मेलन में 12 नेपाल के सदस्य समेत 51 संकाय सदस्य लेंगे भाग

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। विश्विद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ, अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (एसीएस) के सहयोग से 5 और 6 सितंबर को संकाय नेतृत्व शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। संकाय नेतृत्व शिखर सम्मेलन एक ऐसा कार्यक्रम है जिसे युवा शोधकताओं को भारत में विचारशील नेता बनने और एक स्थायी एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए बनाया गया है। शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कुल 51 संकाय सदस्यों का चयन किया गया है, जिनमें से 12 नेपाल से हैं। प्रतिभागियों को उनके एच-इंडेक्स, स्कोपस और वेब ऑफ साइंस में मुख्य या संबंधित लेखकों के रूप में प्रकाशनों और प्रबंधित शोध परियोजनाओं के आधार पर चुना गया है।

इस शिखर सम्मेलन में प्रमुख वक्ताओं और योग्य एसीएस कर्मचारियों के नेतृत्व में सत्र होंगे, जो वैज्ञानिक नेतृत्व के महत्व को समझने, नवाचारों को चलाने के लिए प्रभावी संचार, अनुसंधान में सर्वोत्तम प्रथाओं-पांडुलिपि लेखन, नैतिकता और साहित्यिक चोरी-प्रयोगात्मक अनुसंधान में सुरक्षा प्रथाओं, अनुदान लेखन, अनुसंधान वित्त पोषण, सलाह, सामुदायिक निर्माण और नेटवर्किंग जैसे विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

सम्मेलन में वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, रसायन विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, भौतिकी, गृह विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान और कृषि और प्राकृतिक विज्ञान संस्थान के संकाय सदस्य भाग लेंगे। इसके अलावा स्वामी देवानंद पीजी कॉलेज, मटलर देवरिया, मदन मोहन मालवीय पीजी कॉलेज, भाटपार रानी, देवरिया और महात्मा गांधी स्नातकोत्तर कॉलेज, गोरखपुर के शिक्षकों को भी शामिल किया गया है।

नेपाल के प्रतिभागी लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, त्रिभुवन विश्वविद्यालय और माधेश कृषि विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे, जिसके साथ विश्वविद्यालय ने इस वर्ष की शुरूआत में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिससे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और मजबूत हुआ।

संकाय नेतृत्व शिखर सम्मेलन का उद्देश्य प्रकाशनों की गुणवत्ता बढ़ाने और संकाय सदस्यों को उच्च गुणवत्ता वाली पत्रिकाओं में अपने शोध को प्रकाशित करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करने पर ध्यान केंद्रित करना है, जिससे समग्र उद्धरण बढ़ेंगे। विश्वविद्यालय से संकाय नेतृत्व शिखर सम्मेलन के लिए आयोजन समिति में अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ के निदेशक (संयोजक), इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक (सह-संयोजक), जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख और अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के निदेशक (आयोजन सचिव) शामिल हैं।

शिक्षक दिवस पर आधारित पत्रिका का कुलपति ने किया विमोचन

स्वतंत्र चेतना, गोरखपुर। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका साहित्य विमर्श के 11वें संस्करण का विमोचन विश्वविद्यालय की कुलपति, प्रोफेसर पूनम टंडन द्वारा किया गया। यह विशेष संस्करण शिक्षक दिवस पर आधारित है और इसमें विभाग द्वारा दीक्षांत समारोह सप्ताह के अंतर्गत आयोजित की गई गतिविधियों को भी समाहित किया गया है।

इस अंक में छात्रों द्वारा शिक्षकों पर लिखी गई सुंदर कविताओं को विशेष रूप से सराहा गया है। विद्यार्थियों की इस अद्वितीय पहल को व्यापक प्रशंसा मिली है। उल्लेखनीय है कि

इस पत्रिका के प्रत्येक अंक का संपादन विभाग के छात्र स्वयं करते हैं। इस संस्करण के संपादक तीसरे सेमेस्टर के विद्यार्थी आयुषी राव, सुधांशु राय, श्वेता उपाध्याय और कुशाग्र मिश्रा हैं। इन छात्रों ने अपने संपादन कौशल से इस अंक को एक नया आयाम दिया है।

अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष, प्रोफेसर अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि विभाग के छात्रों ने साहित्य विमर्श को लगातार नए आयाम दिए हैं। यह पत्रिका न केवल उनके रचनात्मक विचारों को मंच प्रदान करती है, बल्कि उनके संपादन कौशल को भी निखारती है।

कुलपति ने छात्रों के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि साहित्य विमर्श जैसी पत्रिका विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के लिए भी एक प्रेरणा स्रोत है। ऐसे प्रयास विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी होते हैं।

Super fast Times

शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने किया प्रो० कीर्ति का सम्मान

मेरे लिये ये आत्मीयता एवं गौरव के क्षण: प्रो० कीर्ति पांडे

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग ने मंगलवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर प्रो० कीर्ति पांडेय को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष बनने पर सम्मानित किया। हाल ही में प्रो०कीर्ति पांडेय को इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया गया है,जो शिक्षा क्षेत्र में उनके वर्षों के समर्पण और उत्कृष्टता का प्रमाण है। इस अवसर पर विभाग के सभी शिक्षकों,शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने प्रो०कीर्ति का आत्मीय स्वागत किया। तृतीय सेमेस्टर की छात्रा अंजु ने उनके सम्मान में लिखी कविता की पंक्तियाँ, "आप आज की नारी हो, इतिहास रचाने वाली हो,आप हमारा गौरव,अभिमान और 'कीर्ति बढ़ाने वाली हो," ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ा दिया।विभागाध्यक्ष प्रो०अजय शुक्ला ने अपने वक्तव्य में कहा, यह हम सभी के लिए गर्व और सम्मान का विषय है कि प्रो०कीर्ति को इस प्रतिष्ठित पद पर नियुक्त किया गया है। प्रो० कीर्ति पांडेय ने इस अवसर पर कहा,कि मेरे लिए ये आत्मीयता और गौरव के क्षण हैं। मैं इस पद पर रहते हुए अपने सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए प्रयासरत रहूँगी।कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षकों और विद्वानों ने प्रो० कीर्ति का सम्मान और अभिनंदन किया।

पाँच सितंबर को आयोजित होगा दो दिवसीय संकाय नेतृत्व शिखर सम्मेलन

-जैव प्रौद्योगिकी विभाग में होंगे सम्मेलन, कई विभागों को शोध कार्य में मिलेगा बढ़ावा

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन के नेतृत्व में, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ,अमेरिकन केमिकल सोसाइटी के सहयोग से 5 से 6 सितंबर को जैव प्रौद्योगिकी विभाग में "संकाय नेतृत्व शिखर सम्मेलन" का आयोजन किया जा रहा है। संकाय नेतृत्व शिखर सम्मेलन का उद्देश्य युवा शोधकताओं को भारत में स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है। शिखर सम्मेलन में प्रख्यात वक्ताओं और योग्य एसीएस कर्मचारियों द्वारा संचालित सत्र होंगे। इसमें वैज्ञानिक नेतृत्व के महत्व को समझाना, नवाचारों को आगे बढ़ाने के लिए प्रभावी संचार, शोध-पांडुलिपि लेखन में सर्वोत्तम अभ्यास, प्रयोगात्मक अनुसंधान में नैतिकता और साहित्यिक चोरी-सुरक्षा अभ्यास, अनुदान लेखन, अनुसंधान निधि, सलाह, समुदाय निर्माण और नेटवर्किंग जैसे विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए संकाय सदस्यों और शोध विद्वानों के लिए एक उत्साहजनक वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। समझौता ज्ञापन पर संशैडो कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ हस्ताक्षर किए गए। लिमिटेड, नई दिल्ली ने विभिन्न प्रकार के आईपीआर को निकालने, दाखिल करने और निष्पादित करने में सहायता के लिए तीन महीने के भीतर 20 पेटेंट दाखिल किए हैं, जिनमें से 14 पहले ही प्रकाशित हो चुके हैं। पेटेंट के अलावा, प्रकाशन और अनुसंधान परियोजनाएं भी विश्वविद्यालय के शोध प्रोफाइल के महत्वपूर्ण संकेतक हैं।सम्मेलन का उद्देश्य प्रकाशनों की गुणवत्ता बढ़ाने और संकाय सदस्यों को उच्च गुणवत्ता वाली पत्रिकाओं में अपने शोध को प्रकाशित करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करने पर ध्यान केंद्रित करना है, जिससे समग्र उद्धरण बढ़ेंगे।

मासिक पत्रिका के 11वें संस्करण का कुलपति ने किया विमोचन

-शिक्षक दिवस की थीम पर आधारित है यह अंक

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स डीडीयू विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका "साहित्य विमर्श" के 11वें संस्करण का विमोचन विश्वविद्यालय की कुलपति,प्रोफेसर पूनम टंडन द्वारा किया गया। यह विशेष संस्करण शिक्षक दिवस पर आधारित है और इसमें विभाग द्वारा दीक्षांत समारोह सप्ताह के अंतर्गत आयोजित की गई गतिविधियों को भी समाहित किया गया है। अंक में छात्रों द्वारा शिक्षकों पर लिखी गई सुंदर कविताओं को विशेष रूप से सराहा गया है।विद्यार्थियों की इस अद्वितीय पहल को व्यापक प्रशंसा मिली है। इस पत्रिका के प्रत्येक अंक का संपादन विभाग के छात्र स्वयं करते हैं। संस्करण के संपादक तीसरे सेमेस्टर के विद्यार्थी आयुषी राव,सुधांशु राय,श्वेता उपाध्याय और कुशाग्र मिश्रा हैं। इन छात्रों ने अपने संपादन कौशल से इस अंक को एक नया आयाम दिया है। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष,प्रोफेसर अजय कुमार शुक्ला ने इस अवसर पर कहा, हमारे विभाग के छात्रों ने 'साहित्य विमर्श' को लगातार नए आयाम दिए हैं। यह पत्रिका न केवल उनके रचनात्मक विचारों को मंच प्रदान करती है, बल्कि उनके संपादन कौशल को भी निखारती है।